CSIR in Media

Platinum Jubilee 1942-2016

75 Years of

CSIR Touching Lives

A Daily News Bulletin
19th May 2017

Produced by Unit for Science Dissemination, CSIR, Anusandhan Bhawan, 2 Rafi Marg, New Delhi

CSIR-CFTRI to conduct programme to encourage food processing start-ups

CSIR-CFTRI

18th May 2017

To encourage and promote start-ups in the food processing sector, CSIR-Central Food Technological Research Institute (CFTRI), Mysuru, in association with Kautilya Entrepreneurship and Management Institute, has announced a joint programme titled Enterpreneurial opportunities in food and allied sectors. Slated to take place between June 5 and 16, 2017, the first week of the programme will be held at the CSIR-CFTRI campus and the second week will take place at Jain University campus.

This programme, which has been designed to address both technology and entrepreneurship to enable successful ventures in the field of food processing, is open for aspiring and early-stage entrepreneurs. It will focus on developing opportunities, customer value propositions, marketing, financing and branding, and delve into technologies for ready-to-eat (RTE) foods, natural beverages, superfoods, healthy snacks, minimally-processed vegetables, FSSAI regulations, etc.

The institute has been offering short-term training programmes on various aspects of food processing and technologies throughout the year. These are generally of five-day durations.

Ram Rajasekharan, director, CSIR-CFTRI, said, “The new initiative is in line with the Start-up India and Skill India Missions of the government of India, and can cater to the needs of various stakeholders, including entrepreneurs, micro-, small and medium enterprises (MSME), exporters, food parks and cold chain companies.” He added that this collaboration of the technology leader with management experts will be able to strengthen the entrepreneurial ecosystem in the sunrise sector, whose contribution to the country’s manufacturing gross domestic product (GDP) is 14 per cent.

Published in:

FNB NEWS

हाइपरटेंशन की गिरफ्त में हैं तो शरीर के इन अंगों को पहुंचेगा नुकसान

CSIR-CDRI

18th May 2017

हाइपरटेंशन से बचाव एवं उसके कारण होने वाली समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सीएसआईआर-सीडीआरआई मे "वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे" का आयोजन किया गया। संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ अशिम घटक ने कहा कि "वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे" वर्ष 2005 से प्रतिवर्ष लोगों को सामान्य रक्तचाप को बनाए रखने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन शरीर में अनेक बीमारियों जैसे हृदयघात, स्ट्रोक, किडनी, आँख संबंधी बीमारियों के खतरों को बढ़ा देता है।

आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में दस में से तीन लोग उच्चरक्तचाप से पीड़ित हैं। लगभग 1.56 बिलियन लोग दुनिया में हाइपरटेंशन से ग्रसित हैं और उनमे से 50% लोगों को तो इसकी जानकारी भी नहीं है, और जिन्हें जानकारी है उनमे से अधिकांश लोग उच्चरक्तचाप के लिए कोई चिकित्सकीय सलाह नहीं ले रहे हैं।

सीएसआईआर-एनबीआरआई के प्रधान वैज्ञानिक, डॉ संजीव ओझा ने हाइपरटेंशन एवं इसके इलाज की आयुर्वेदिक पद्धति की जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह से आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से उच्चरक्तचाप से बचा जा सकता है एवं उसका इलाज किया जा सकता है। किस प्रकार हर्बल मेडिसिन एवं संतुलित जीवनशैली से इस रोग से बचा जा सकता है।

सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन, लखनऊ के निदेशक, डॉ मक़बूल अहमद खान ने अपने सम्बोधन मे हाइपरटेंशन के ट्रीटमेंट के लिए यूनानी मेडिसिन सिस्टम के बारे में रोचक जानकारी दी उन्होने इसके इतिहास की जानकारी देते हुये इस पद्धति के विभिन पहलुओं की जानकारी दी।

इसके बाद सीडीआरआई के वैज्ञानिक डॉ विवेक भोसले ने एलोपेथी के आधुनिक मेडिसिन सिस्टम के द्वारा हाइपरटेंशन के प्रबंधन की जानकारी देते हुये कुछ नई एलोपेथिक मेडिसिन्स की जानकारी दी।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में संस्थान की निदेशक डॉ मधु दीक्षित ने सभी वक्ताओं को उनके हाइपरटेंशन के निवारण एवं बचाव के लिए अभिप्रेरक एवं सारगर्भित व्याख्यानों के लिए बधाई दी साथ ही तीनों चिकित्सा पद्धतियों (एलोपेथिक, आयुर्वेदिक एवं यूनानी) के समग्र रूप से मिलकर रोग निवारण एवं बचाव की दिशा में विस्तृत रूप से कार्य करने की संभावना पर ज़ोर दिया।

इन व्याख्यानों के पश्चात जैसा की इस वर्ष के हाइपरटेंशन डे की थीम, “नो योअर ब्लड प्रैशर” होने से एक रक्त चाप जांच शिविर का आयोजन संस्थान की मेडिकल ऑफिसर डॉ शलिनी गुप्ता के निर्देशन मे किया गया जिसमे 400 से अधिक लोगों ने अपना ब्लड प्रैशर चेक करवाया जिसमे अनेक वैज्ञानिक, प्रसाशनिक, तकनीकी स्टाफ, शोध छात्र एवं सहयोगी स्टाफ शामिल था ।

Published in:

Patrika

Chandigarh: Learning science made easy

CSIR-IMTECH

18th May 2017

Mohammed Kaif, a student of class 10 at Jawahar Navodya Vidyala (JNV) Chandigarh was excited to measure the thickness of a copper wire and and too in a laboratory where reputed scientists work.

His classmate, for the first time learned how to isolate plasmid. These were things which one could hardly expect to be familiar with at such an age, resulting in mugging up of those chapters. But at Jigyasa, a science summer camp organised by Institute of Microbial Technology (IMTECH), students are getting to learn all these with practically experiencing them.

The camp has started from May 15 and go on till May 19 with 22 students from JNV Chandigarh, Ludhiana, Patiala, Solan and Sirmour. A second similar camp is scheduled from May 22 to May 26 with 22 other students from Kendriya Vidyalayas.

Ravina, a class 9th student, said, "We had read about Agarose gel electrophoresis. Now, I know how it is actually done. I used to dread this chapter as I never understood this term."

"We encourage students to question us and not accept everything that is taught. It is a learning exercise for us as well, as we need to find ways to explain complex things in simple terms," Dr Krishan Gopal, scientist at IMTECH, said.

Published in:

TOI